

राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी डीन, बोर्ड ऑफ स्टडीज के कन्वीनर्स और वाइस चांसलर की सहमति लास्ट सेमेस्टर में होगी छह माह की ट्रेनिंग

BIG STEP

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर • राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी (आरटीयू) से जुड़े प्रदेश के लगभग 130 इंजीनियरिंग कॉलेजों के स्टूडेंट्स फोर्थ ईयर के लास्ट सेमेस्टर में छह महीने की इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग करेंगे। हालांकि यह ऑप्शनल होगा। स्टूडेंट्स इसके स्थान पर चाहें तो सब्जेक्ट की पढ़ाई और प्रोजेक्ट कर सकते हैं। आरटीयू डीन, बोर्ड ऑफ स्टडीज के कन्वीनर्स की कमेटी ने आठवें सेमेस्टर में छह महीने की इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग पर सहमति दे दी है। साथ ही वाइस चांसलर ने भी अप्रूवल प्रदान कर दी है।

विविध से मिली जानकारी के अनुसार, सेकंड, थर्ड और फोर्थ ईयर के कोर्स करिकुलम का प्रारूप तय कर लिया गया है। ब्रांच वाइज बोर्ड ऑफ स्टडीज (बीओएस) को यह प्रारूप दे दिया गया है। बीओएस अपने सब्जेक्ट तय कर इसे विवि को अप्रूवल के लिए देगा।

इसके बाद नए करिकुलम को अगले साल जुलाई से पहले तय कर लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि यूनिवर्सिटी इंजीनियरिंग कॉलेज में इसी साल से छह महीने की इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग लागू हो चुकी है। लंबे समय से इस पर विचार चल रहा था।

स्टूडेंट्स के सजेशन शामिल किए

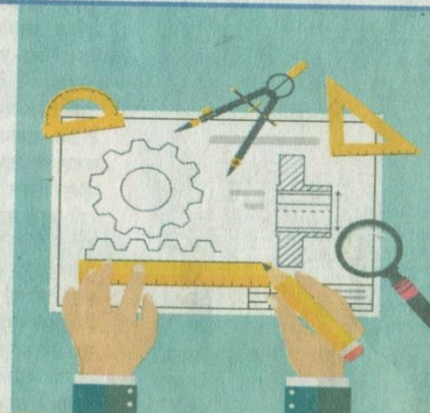
आरटीयू ने इसी साल इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स, फैकल्टीज और विशेषज्ञों से गूगल फॉर्म के जरिए इंजीनियरिंग करिकुलम रिवाइज करने के सजेशन मांगे थे। आरटीयू के डीन एकेडमिक्स डॉ. एच.डी. चारण का कहना है कि कई सजेशन को फर्स्ट ईयर करिकुलम के लिए पहले ही शामिल किया जा चुका है। अब ब्रांच वाइज बोर्ड ऑफ स्टडीज को सभी सजेशन दिए जा चुके हैं। इसमें कुछ बेहतर सुझाव आए थे, जिन्हें सेकंड से फोर्थ ईयर तक के लिए बनाए जा रहे करिकुलम में शामिल किया जाएगा।

प्रारूप तय, वीसी की अप्रूवल

130

इंजीनियरिंग कॉलेज हैं प्रदेश में

सेकंड से फोर्थ ईयर का करिकुलम जुलाई से पहले होगा तय



स्टूडेंट्स को होगा फायदा

एजुकेशन एक्सपर्ट्स का कहना है कि इंटरशिप दुनियाभर के बड़े संस्थानों के लिए इच्छु है। यदि लास्ट सेमेस्टर इंटरशिप बेस्ड होता है तो यह पहल कारगर साबित होगी। स्टूडेंट्स का इंडस्ट्री एक्सपोजर बढ़ेगा। एक निजी यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर अप्रित

अग्रवाल का कहना है कि इसके लिए सरकार, आरटीयू और इंडस्ट्रीज को साथ काम करना होगा। इंडस्ट्रीज का एक पैकल बनाकर इसे लागू करना चाहिए। इसके परिणाम आने में समय लगेगा, लेकिन स्टूडेंट्स को इसका काफी फायदा होगा।

पहले संभव नहीं था

हालांकि इंडस्ट्रीज की डिमांड पर इस ट्रेनिंग पर लंबे समय से विचार चल रहा था, लेकिन पूर्व में विवि का मानना था कि इतने स्टूडेंट्स को इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग कराना संभव नहीं है। हालांकि डॉ. चारण कहते हैं कि ट्रेनिंग ऑप्शनल होने से कितने स्टूडेंट्स का रुझान आता है, देखना होगा। इस विषय पर देशभर में विचार चल रहा था। इंडस्ट्रीज भी स्टूडेंट्स में स्किल्स की डिमांड कर रही थी।

लास्ट सेमेस्टर को पूरा इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग बेस्ड करने पर सहमति बन चुकी है। प्रारूप तय कर लिया गया है। संभवतया अगले साल जुलाई से पहले लागू कर दिया जाएगा।

डॉ. एच. डी. चारण,
डीन एकेडमिक्स, आरटीयू

बीओएस मेंबर्स ने सहमति दी है। इंडस्ट्री से विवि और कॉलेजों को स्वयं भी इंटरव्यूशन बढ़ाना होगा। ट्रेनिंग के लिए सीआईआई से भी बातचीत की गई है।

प्रो. एनपी कौशिक,
वाइस चांसलर, आरटीयू